भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4171
जिसका उत्तर मंगलवार 28 मार्च, 2017 को दिया जाना है

ऑटोमोबाइल उद्योग का विकास

4171. श्रीमती वी. सत्यबामा:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 2026 तक ऑटोमोबाइल उद्योग द्वारा 65 मिलियन नए रोजगार और 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर वार्षिक राजस्व अर्जित करने की संभावना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि भारत का ऑटो उद्योग विश्व के सबसे बड़े और अति प्रतिस्पर्धी उद्योग में से एक है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत का योगदान देता है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): ऑटोमोटिव मिशन प्लान को भारत सरकार और भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से अंतिम रूप दिया गया है। एएमपी 2026 का विज़न है कि "वर्ष 2026 तक, भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग, वाहनों और उनके कलपुर्जों की इंजीनियरी, विनिर्माण और निर्यात में विश्व के शीर्ष तीन देशों में शुमार हो तथा भारत के सकल घरेलू उत्पादन के 12% से अधिक की मूल्यवृद्धि और 65 मिलियन अतिरिक्त रोजगार सृजन हासिल करते हुए वैश्विक मानकों की तुलना में भारत में लोगों की किफायती आवाजाही और माल के किफायती परिवहन की सुरक्षित, कुशल और पर्यावरण अनुकूल परिस्थितियां सम्मिलित हों।"

(ग) और (घ): भारत ऑटो उद्योग बाजार में प्रतिस्पर्धी माहौल की वजह से विश्व में सबसे बड़े ऑटो उद्योग में से एक बन गया है। ऑटोमोटिव मिशन प्लान, 2016 की समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, ऑटो उद्योग का कारोबार सकल घरेलू उत्पाद के 7.1% के बराबर है।

*****